यूरिया मोलस्सेस मिनरल ब्लॉक

एक पूर्ण भोजन

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

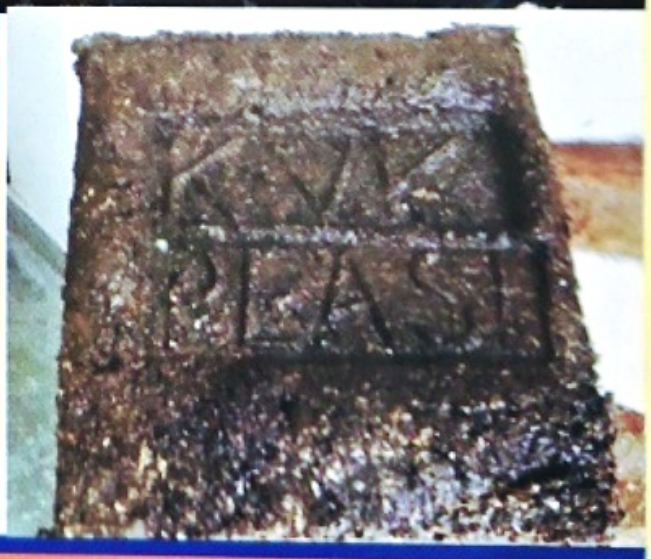

Krishi Vigyan Kendra, Reasi

DIRECTORATE OF EXTENSION

Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences & Technology of Jammu

जुगाली करने वाले पशुओं के पेट में एक विशेष थैली होती है। जिसमें करोड़ों की संख्या में जीवाणु होते हैं। जो भोजन के रेशों को पचाने में मदद करते हैं। हरे चारे की कमी में जब पशु को सूखा चारा देते हैं तो मिनरल ब्लॉक उसके जिवाणुओं में बढ़ोतरी करता है और पाचन शक्ति ठीक रखता है।

ब्लॉक चटाने के फायदे

- पशु सूखा चारा ज़्यादा खाता है और चारे की खराबी कम करता है।
- पशु की पाचन शक्ति ठीक रहती है।
- पशु के दूध उत्पादन में फैट की मात्रा बढ़ती है।
- ये खनिज तत्वों का अच्छा खज़ाना है।
- इसको चटाने से पशु की सभी जरूरी कमियां पूर्ण होती हैं।

यूरिया मोलस्सेस मिनरल ब्लॉक	(100 किलोग्राम)
मोलस्सेस	35
यूरिया	7
गेहुं का भूसा	4
सरसों का केक	30
लाइमस्टोन	7
नमक	2
खनिज मिश्रण	1
डाएकैलशियम फॉस्फेट	7
सीमेंट	7

विधि

1. गर्म विधि :

- सबसे पहले शीरे को गर्म करके उसमें यूरिया केल्साइड पाउडर और सोडियम बैण्टोनाइट डालकर उसमें गेहूं का भूसा, सरसों का केक अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को धीरे-धीरे हिलाते हुए उसमें खनिज मिश्रण खली आदि को मिलायें।
- जब मिश्रण का तापमान 20^{0} C हो जाये तो इसको 10 मिनट तक अच्छी तरह मिलायें और जब सभी पदार्थ अच्छी तरह मिल जायें तो मिश्रण को ठण्डा कर लें।
- फिर उचित आकार के सांचों में डालकर ठण्डा होने के लिए रख दें।

2. ठण्डी विधि :

इस विधि में यूरिया, कैल्शियम आक्साइड (चूना) का प्रयोग किया जाता है। चूने के मिश्रण को मिलाकर ही इतनी गर्मी पैदा हो जाती है कि सारे मिश्रण को अर्द्धतरल अवस्था में बदल देती है। तथा मिश्रण को सांचों में डालकर आसानी से पिंड बनाया जा सकता है।

यूरिया, शीशा, खनिज पिण्ड खिलाने के लाभ :

- पशु को पाचनशील कार्बनिक पदार्थ आधिक मिलता है।
- पशु द्वारा सूखे चारे तथा फसल अवशेष को खाने की मात्रा बढ़

जाती है क्योंकि इसमें प्रोटीन उर्जा तथा खनिज मौजूद होते हैं। जिससे अमाशाय में उपस्थित जीवाणुओं की प्रक्रिया तथा उनकी संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हो जाती है। सूखे चारे की पाचनशीलता तथा आगे बढ़ने की क्षमता दर बढ़ जाती है, पशु अधिक आहार लेता है जो कि पशु के लिए लाभदायक है।

- जीवाणु अधिक प्रोटीन का निर्माण करते हैं जिससे व्यस्क पशु की प्रोटीन की आवश्यकता पूरी हो जाती है।
- वाष्पशील वसा अम्ल ज़्यादा बनता है जो कि जुगाली करने वाले पशुओं की उर्जा का मुख्य स्त्रोत है। व्यस्क पशु को इतनी उर्जा रख-रखाव के लिए पर्याप्त होती है। यह कार्य भी जिवाणु करते हैं।
- यूरिया शीरा, खनिज पिण्ड सूखे चारे के साथ खिलाने से मिथेन गैस कम बनती है जो कि वातावरण को प्रदूषित होने से बचाता है।

Published by : Dr. R. K. Arora, Associate Director Extn.
Author : Dr. Mandeep Singh Azad, SMS, Animal Sciences

कृषि विज्ञान केन्द्र, रियासी

Published by : Krishi Vigyan Kendra, Reasi
Directorate of Extension, Ph.: : 01991-287802; email: kvkreasi@gmail.com